

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 19 अक्टूबर, 2022

बुकर पुरस्कार 2022

17 अक्टूबर, 2022 को लंदन में एक समारोह के दौरान श्रीलंका के लेखक **शेहान करुणातलिका (Shehan Karunatilaka)** को प्रतष्ठिति 'बुकर पुरस्कार', 2022 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उनके उपन्यास 'द सेवन मूनस ऑफ माली अलमेडा' (The Seven Moons of Maali Almeida) के लिये प्रदान किया गया है। 47 वर्षीय करुणातलिका श्रीलंका के दूसरे उपन्यासकार हैं, जिन्हें बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व वर्ष 1992 में माइकल ओन्डाट्से को यह पुरस्कार उनके उपन्यास 'द इंग्लिश पेशेंट' के लिये मिला था। बुकर पुरस्कार, 2022 के जूरी के अध्यक्ष नील मैकग्रेगर ने कहा कि 'द सेवन मूनस ऑफ माली अलमेडा' में लेखक की महत्वाकांक्षा का दायरा और इसके कथानक को प्रस्तुत करने का तरीका प्रशंसनीय है। 'सॉर्ट ऑफ बुक्स' द्वारा प्रकाशित 'द सेवन मूनस ऑफ माली अलमेडा', गृहयुद्ध से घरेलू श्रीलंका की जानलेवा तबाही की जाँच के बीच में मृत्यु के बाद के जीवन की पड़ताल करती है। बुकर पुरस्कार विश्व के सबसे प्रतष्ठिति साहित्यिक पुरस्कारों में से एक है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष ब्रिटेन और आयरलैंड में प्रकाशित अंग्रेजी भाषा के साहित्य हेतु प्रदान किया जाता है। लेखक को पुरस्कार स्वरुप 50 हजार पाउंड की धनराशि प्राप्त होती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस तीन दिनों (19-21 अक्टूबर) की भारत यात्रा पर 19 अक्टूबर, 2022 को मुंबई पहुँचे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतेरस ने मुंबई के ताज पैलेस होटल में 26/11 के आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। गुतेरस 20 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में प्रधानमंत्री के साथ मशिन लाइफ पुस्तिका, लोगो और टैगलाइन का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा भारतीय वदेश मंत्री, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतेरस के साथ द्विपक्षीय चर्चा में वैश्विक मुद्दों, जी-20 देशों के सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता सहित संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत के सहयोग पर चर्चा करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव भारत के पहले सौर ऊर्जा गाँव मोडेरा का दौरा भी करेंगे। वे मोडेरा के सूर्य मंदिर भी जाएंगे। गुतेरस की जनवरी 2022 में दूसरी बार अपना पदभार संभालने के बाद यह पहली भारत यात्रा है। इससे पहले वे अक्टूबर 2018 में भारत की यात्रा पर आए थे।

दवियांगजनों के लिये 'सामाजिक अधिकारिता शिविर'

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ADIP योजना के तहत 'दवियांगजनों' को सहायता उपकरण वितरित करने हेतु एक 'सामाजिक अधिकारिता शिविर' का आयोजन दवियांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा एलमिको, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले विभाग के सहयोग से 17 अक्टूबर को राजस्थान में अलवर शहर में किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दवियांगजनों के सशक्तीकरण के लिये वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार दवियांगों की सेवा करके उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिये सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर कार्य कर रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने दवियांग व्यक्त अधिकार अधिनियम 2016 को लागू किया है, जो अब दवियांगों की श्रेणी को 7 से बढ़ाकर 21 करने का प्रावधान देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षणिक संस्थानों में दवियांगजनों का आरक्षण 3 से बढ़ाकर 5 प्रतशित और सरकारी नौकरियों में उनका आरक्षण 3 प्रतशित से 4 प्रतशित कर दिया गया है।